राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,जोधपुर
लोक कला प्रदर्शन योजना

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा प्रदेश के नाटक,संगीत,नृत्य,गायन,वादन,कठपुतली, करतब, बहरूपिया, जादू आदि विधा के लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने एवं उनकी कला को जन–जन तक पहुंचाने के साथ उन्हें संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष निम्नांकित आयोजन किये जाते है।

लोकानुरंजन मेला. अकादमी मुख्यालय पर वृहद्ध स्तर पर लोकानुरंजन मेला आयोजित किया जाता है जिसमें सम्पूर्ण प्रदेश की लोक कला विधाओं सहित अन्य प्रदेश के लोक कलाकारों को आमंत्रित किया जाता है।

अन्तप्रान्तीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान योजना में राजस्थान की लोक कलाओं के सांस्कृतिक दल को अन्य राज्य की यात्रा पर तथा अन्य राज्य के सांस्कृतिक दल को राज्य की यात्रा पर तथा अन्य राज्य के सांस्कृतिक दल को राजस्थान की यात्रा पर आमंत्रित किया जाता है।

लोक प्रदशंन के अन्तर्गत लोक संगीत संध्या, पारम्परिक लोक कला के बहुरंगी आयोजन प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र में किये जाते है।

नियम

1.	उक्त योजनाअन्तर्गत भाग लेने हेतु कलाकार/दल को अपनी कला/कार्यक्रम के पूर्ण विवरण व फोटो के साथ अकादमी को सादे कागज पर आवेदन करना होगा।
2.	कलाकार/दल का उनकी प्रदर्शनात्मक क्षमता व कला रूप की आवश्यकता अनुरूप चयन किया जायेगा। चयन हेतु प्रदर्शन की प्रक्रिया अपनायी जा सकेगी, जिसमें कलाकार को अपने खर्च से अकादमी मुख्यालय पर आना होगा।
3.	कलाकार/दल को अपने कार्यक्रम से संबंधित सभी प्रकार की सामग्री पोशाक, मैकअप की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।
4.	अकादमी द्वारा कलाकार को मानदेय स्वरूप 1250/– रूपये प्रति कलाकार तथा प्रदेश के बाहर कार्यक्रम हेतु 1875/–एवं वरिष्ठ एवं विशिष्ठ कलाकारों का मानदेय 3100/– या अध्यक्ष महोदय द्वारा आपसी सहमति से दिया जायेगा। निवास स्थान से जाने जाने का द्वितीय श्रेणी रेल/बस किराया व दैनिक भत्ता 400/–प्रतिदिन प्रतिकलाकार देय होगा। अकादमी किसी दल को एक मुश्त पर भी अनुबंधित कर सकेंगी।
5.	लोक नाट्य समारोह हेतु एक मुश्त 12 कलाकारों के दल तक 30,000/– तथा 12 से अधिक कलाकार होने पर 35,000/– जिसमें सभी प्रकार के व्यय सम्मिलित होगे।
6.	लोक नृत्य प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षक को प्रतिदिन 2,000/– प्रतिदिन मानेदय तृतीय ए0सी0 रेल किराया एवं 400/–रूपये प्रतिदिन दैनिक भत्ता देय होगा।